पीएम मोदी ने गुजरात को दी 1,400 करोड़ की रेल सौगात

महेसाणा-पालनपुर दोहरीकरण 537 करोड़ से पूरा हुआ

कलोल-कडी-कटोसन रोड गेज परिवर्तन 347 करोड़ में सम्पन्न

अहमदाबाद, 26 अगस्त. माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को गुजरात में 1,400 करोड़ से अधिक की कई महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित किया. इन परियोजनाओं में महेसाणा-पालनपुर रेल लाइन का दोहरीकरण, कलोल-कडी-कटोसन रोड और बेचराजी-रणुंज रेल लाइनों का गेज परिवर्तन शामिल हैं. इसके अलावा, उन्होंने कटोसन रोड-साबरमती मेमू ट्रेन और बेचराजी स्टेशन से उत्तर भारत के लिए पहली समर्पित ऑटोमोबाइल मालगाड़ी को भी हरी झंडी दिखाई.

यह आयोजन अहमदाबाद में हुआ, जिसमें गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत, मुख्यमंत्री भूपेंद्रभाई पटेल, केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सी.आर. पाटिल और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे. ये परियोजनाएं विशेष रूप से उत्तरी गुजरात के महेसाणा, पाटन, बनासकांठा, गांधीनगर और अहमदाबाद जिलों को लाभान्वित करेंगी, जिससे क्षेत्रीय संपर्क और औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा.

प्रमुख परियोजनाओं का विवरण

महेसाणा-पालनपुर दोहरीकरण- 65 किलोमीटर लंबी इस रेल लाइन का दोहरीकरण 537 करोड़ की लागत से पूरा किया गया है. इससे अहमदाबाद-दिल्ली कॉरिडोर पर लाइन क्षमता में वृद्धि हुई है, जिससे तेज गति वाली ट्रेनों का संचालन संभव हो सकेगा और ट्रेनों की समयपालनता में सुधार होगा.

कलोल-कडी-कटोसन रोड गेज परिवर्तन- 37 किलोमीटर लंबी इस लाइन को 347 करोड़ की लागत से ब्रॉड गेज में बदला गया है. यह परियोजना स्थानीय यात्रियों, छोटे व्यवसायों और उद्योगों के लिए फायदेमंद है, जिससे राष्ट्रीय ब्रॉड-गेज नेटवर्क के साथ निर्बाध एकीकरण सुनिश्चित होगा.

नई ट्रेनों को हरी झंडी

माननीय प्रधानमंत्री ने कडी रेलवे स्टेशन से कटोसन रोड-साबरमती मेमू ट्रेन को हरी झंडी दिखाई. यह नई यात्री सेवा क्षेत्र के दैनिक यात्रियों और धार्मिक स्थलों के दर्शन करने वालों को बेहतर सुविधा प्रदान करेगी. इसके साथ ही, बेचराजी स्टेशन से उत्तर भारत के लिए पहली समर्पित ऑटोमोबाइल मालगाड़ी को भी रवाना किया गया. यह सेवा राज्य के औद्योगिक केंद्रों से लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत करेगी और रोजगार के अवसर पैदा करेगी. इन सभी रेल परियोजनाओं से यात्रा का समय कम होगा, नए निवेश आकर्षित होंगे और क्षेत्रीय औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, जिससे विकसित गुजरात के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण का मार्ग प्रशस्त होगा.

भारत में उद्यमिता को बढ़ाएगा वियतनाम

नवाचार के लिए वियतजेट की पहल, प्रतियोगिता घोषित

नयी दिल्ली, 26 अगस्त (वार्ता) वियतजेट ने स्टार्टअप फ्लाइट नाम से एक प्रतियोगिता की शुरुआत की है जिसका उद्देश्य भारत-वियतनाम संबंधों में नवाचार और उद्यमिता को बढ़ावा देना है.

वियतजेट ने मंगलवार को प्रतियोगिता घोषणा करते हुये बताया कि प्रतियोगिता का आयोजन भारत के एमिटी इनोवेशन इनक्यूबेटर और वियतनाम के नेशनल स्टार्टअप सपोर्ट सेंटर के साथ मिलकर किया जा रहा है.

उसने बताया कि सहयोग, रचनात्मकता और निवेश को बढ़ावा देने के उद्देश्य से शुरू की गयी यह पहल विशेष रूप से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे तेजी से बढ़ते क्षेत्रों में दोनों देशों के युवा उद्यमियों के लिए वैश्विक मंच पर आगे बढ़ने के नये अवसर खोलती है,

भारत में वियतनाम दूतावास के ट्रेड काउंसलर बुयी ट्रुंग थुओंग ने कहा, भारत तकनीक और नवाचार का वैश्विक केंद्र है. वियतजेट के भारत में छह में से पांच गंतव्य दुनिया के शीर्ष 100 स्टार्टअप शहरों में शामिल हैं. ऐसे में यह पहल भारत और वियतनाम के बीच साझेदारी, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और नयी सोच को बढ़ावा देने वाला एक मजबूत पुल साबित होगा.

यह प्रतियोगिता चार प्रमुख क्षेत्रों - सॉफ्टवेयर और डेटा/एआई, ई-कॉमर्स और रिटेल, एडटेक तथा ट्रांसपोर्टेशन और लॉजिस्टिक्स - पर केंद्रित है.

चीन पर अमेरिकी दवाओं की निर्भरता खतरनाक : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 26 अगस्त. एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका अपनी रोजमर्रा की दवाओं से लेकर महत्वपूर्ण एंटीबायोटिक और कीमोथेरेपी एजेंटों तक के लिए चीन पर अत्यधिक निर्भर है. यह निर्भरता देश के लिए गंभीर जोखिम पैदा कर सकती है. रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन से सस्ते दामों पर दवाएं खरीदने की अमेरिकी नीति के कारण यह स्थिति उत्पन्न हुई है.

अमेरिकी राजनीतिक वेबसाइट द हिल की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका अपनी 95त्न इबुप्रोफेन, 91त्न हाइड्रोकार्टिसोन, 70त्न एसिटामिनोफेन और 45त्न तक पेनिसिलिन चीन से आयात करता है. इस निर्भरता के कारण, दवाओं की गुणवत्ता और नियामक निरीक्षण पर सवाल उठ रहे हैं.

रिपोर्ट में चीन से आयातित दवाओं की गुणवत्ता नियंत्रण में कमी और अपर्याप्त नियामक निरीक्षण पर चिंता व्यक्त की गई है. ब्रुकिंग्स इंस्टीट्यूशन के 2025 के शोध का हवाला देते हुए रिपोर्ट में कहा गया है कि चीन में बनी जेनेरिक दवाओं से जुड़ी गुणवत्ता नियंत्रण की समस्याएं चिंताजनक हैं.

कार्यस्थल पर एआई को लेकर विरोधाभास : रिपोर्ट

72त्न को करियर ग्रोथ में एआई कौशल जरूरी लगता है

67त्न पेशेवर एआई अपेक्षाओं से अभिभूत महसूस करते हैं

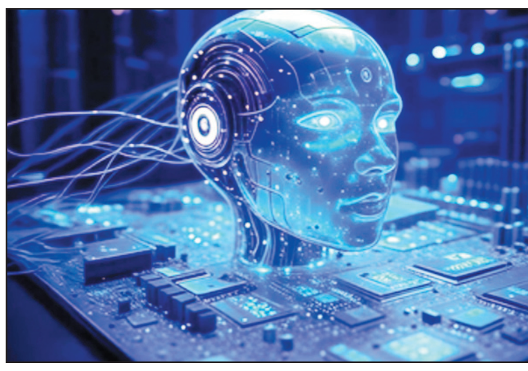

नई दिल्ली, 26 अगस्त. लिंक्डइन की एक नई रिपोर्ट के अनुसार, 83त्न भारतीय पेशेवर मानते हैं कि कार्यस्थल पर निर्णय लेने में मानवीय अंतर्ज्ञान और विश्वसनीय सहकर्मी कृत्रिम बुद्धिमत्ता से अधिक महत्वपूर्ण हैं.

यह शोध एआई को लेकर भारतीय कार्यबल की धारणा और अपेक्षाओं को दर्शाता है.रिपोर्ट में सामने आया है कि 76त्न पेशेवरों ने कार्यस्थल पर निर्णय लेने की प्रक्रिया में तेजी देखी है, जबकि 72त्न का मानना है कि करियर में अगला कदम उठाने के लिए एआई में दक्षता जरूरी है. हालांकि, एआई को लेकर एक विरोधाभास भी है- 67% पेशेवर इसे समझने की बढ़ती अपेक्षाओं से अभिभूत हैं, और 61% का कहना है कि वे इसकी पूरी क्षमता का उपयोग नहीं कर पा रहे हैं. चार में से तीन उत्तरदाताओं ने एआई में महारत हासिल करने को दूसरी नौकरी जैसा बताया. रिपोर्ट के अनुसार, 73% कंपनियां अपने कर्मचारियों से एआई का उपयोग करने की उम्मीद रखती हैं, और 64% अधिकारी प्रदर्शन समीक्षा या नियुक्ति में एआई दक्षता को शामिल करेंगे. इसके बावजूद, 78% पेशेवर आशावादी हैं कि एआई उनके दैनिक कार्य-जीवन को बेहतर बनाएगा. यह शोध बताता है कि भारतीय पेशेवर एआई को एक सहायक उपकरण के रूप में देखते हैं, न कि निर्णय लेने वाले के रूप में.

एआई सीखने में उत्साह

यह रिपोर्ट यह भी दर्शाती है कि भारतीय पेशेवर एआई सीखने के लिए उत्साहित हैं. 81% पेशेवरों ने एआई के साथ प्रयोग को सुखद पाया, इसे सीखने के एक अवसर के रूप में देखा. 79% मुफ्त संसाधनों से स्वयं सीख रहे हैं, 73त्न पाठ्यक्रमों के लिए स्वयं भुगतान कर रहे हैं, और 78% बेहतर उपकरणों की तलाश में हैं.कुल मिलाकर, यह शोध दिखाता है कि भारतीय पेशेवर एआई को अपनाने के लिए तैयार हैं, लेकिन वे मानवीय अंतर्ज्ञान, अनुभव और सहकर्मियों के सहयोग को अपूरणीय मानते हैं.

इंडिगो ने मुंबई में शुरू किया नया पायलट प्रशिक्षण केंद्र

सीएई साझेदारी से 44,000 वर्ग फुट सुविधा शुरू

छह अत्याधुनिक पूर्ण-उड़ान सिमुलेटर की क्षमता

मुंबई, 26 अगस्त (वार्ता) देश की सबसे बड़ी विमान सेवा कंपनी इंडिगो ने मंगलवार को यहां एक अत्याधुनिक पायलट प्रशिक्षण केंद्र के उद्घाटन की घोषणा की.

इंडिगो की प्रवर्तक कंपनी इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज ने सीएई के साथ संयुक्त उद्यम सीएई सिमुलेशन ट्रेनिंग प्राइवेट लिमिटेड बनाकर इस केंद्र की शुरुआत की है. कुल 44,000 वर्ग फुट के इस नये केंद्र में छह पूर्ण-उड़ान सिमुलेटर की क्षमता होगी. यह कैलेंडर वर्ष 2026 की पहली तिमाही में दो एयरबस ए320 एफएफएस के साथ परिचालन शुरू कर देगा. सीएई के वाणिज्यिक विमानन प्रभाग के अध्यक्ष मिशेल अजार-हमौदा ने कहा, नया मुंबई केंद्र भारत में पेशेवर पायलटों की तेजी से बढ़ती मांग पूरी करने की सीएसटीपीएल की क्षमता का विस्तार करता है. अगले 10 वर्षों में यह मांग 20,000 तक हो सकती है.उन्होंने कहा कि मुंबई में नये छह सिम्युलेटर वाले केंद्र के जुड़ने से यहां विश्व स्तरीय प्रशिक्षण मिल सकेगा.

इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आदित्य पांडे ने कहा, ग्रेटर नोएडा, गुरुग्राम और बेंगलुरु में अपने वाणिज्यिक विमानन प्रशिक्षण केंद्रों के अलावा मुंबई में सीएसटीपीएल का विस्तार करते हुए हमें खुशी हो रही है. इंटरग्लोब एंटरप्राइजेज और सीएई विमानन क्षेत्र में एक ऐसा पारिस्थितिकी तंत्र बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं जो भारत में पायलटों के प्रशिक्षण की बढ़ती वर्तमान और भविष्य की मांग को पूरा कर सके.

सीएई के 2025 विमानन प्रतिभा पूर्वानुमान के अनुसार, 2034 तक एशिया प्रशांत क्षेत्र में 98,000 नये पायलटों की मांग होगी. नया सीएसटीपीएल केंद्र एयरबस, एटीआर और बोइंग विमानों के लिए पायलटों को प्रशिक्षित करेगा, जिसमें टाइप रेटिंग, आवर्ती प्रशिक्षण और दक्षता जांच शामिल हैं.

सुजुकी मोटर करेगी 70,000 करोड़ निवेश

गुजरात के हंसलपुर प्लांट से ई-विटारा का निर्माण

100 से अधिक देशों को होगा इलेक्ट्रिक SUV निर्यात

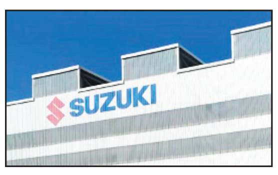

नई दिल्ली, 26 अगस्त. जापानी वाहन निर्माता कंपनी सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन ने अगले पांच से छह वर्षों में भारत में 70,000 करोड़ का बड़ा निवेश करने की घोषणा की है.

यह निवेश उत्पादन क्षमता बढ़ाने, नए कार मॉडल लॉन्च करने और भारत के तीसरे सबसे बड़े ऑटोमोबाइल बाजार में अपनी नेतृत्व की स्थिति को बनाए रखने के लिए किया जाएगा.यह घोषणा सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन के अध्यक्ष तोशिहिरो सुजुकी ने मारुति सुजुकी के पहले इलेक्ट्रिक एसयूवी ई-विटारा के लॉन्च के मौके पर की. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के हंसलपुर स्थित कंपनी के प्लांट में इस इलेक्ट्रिक एसयूवी के पहले बैच को हरी झंडी दिखाई.

ई-विटारा का निर्माण विशेष रूप से मारुति सुजुकी इंडिया की एक इकाई, सुजुकी मोटर गुजरात में किया जाएगा, और इसे 100 से अधिक देशों में निर्यात किया जाएगा. पहली खेप पिपावाव बंदरगाह से यूरोप के लिए रवाना होगी, जिसमें ब्रिटेन, जर्मनी, फ्रांस, नॉर्वे बाजार शामिल हैं. सुजुकी ने यह भी पुष्टि की कि इलेक्ट्रिक एसयूवी का निर्यात जापान को भी किया जाएगा. तोशिहिरो सुजुकी ने कहा कि गुजरात की यह सुविधा सालाना 10 लाख यूनिट्स की नियोजित क्षमता के साथ दुनिया के सबसे बड़े ऑटोमोबाइल हब में से एक के रूप में विकसित हो रही है.

आयात शुल्क से शेयर बाजार में बड़ी गिरावट

मुंबई, 26 अगस्त (वार्ता) अमेरिकी प्रशासन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर 27 अगस्त से 25 प्रतिशत और आयात शुल्क लगाने के लिए जारी नोटिस के बाद मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में बड़ी गिरावट दर्ज की गयी और बीएसई का सेंसेक्स तथा नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 में एक प्रतिशत से अधिक लुढ़क गया. अमेरिकी प्रशासन ने सोमवार को भारतीय उत्पादों पर अतिरिक्त आयात शुल्क बढ़ाकर 50 प्रतिशत करने के लिए नोटिस जारी कर दिया.

भारत के कपड़ा उद्योग की वृद्धि आधी रह सकती है

नई दिल्ली. क्रिसिल रेटिंग्स की एक रिपोर्ट के अनुसार, भारत के रेडीमेड वस्त्र उद्योग की राजस्व वृद्धि इस वित्तीय वर्ष में घटकर 3 से 5 प्रतिशत तक रह सकती है, जो पिछले वर्ष की तुलना में लगभग आधी है.

इस सुस्ती का मुख्य कारण अमेरिका द्वारा लगाए गए 50 प्रतिशत आयात शुल्क को माना जा रहा है, जिससे भारतीय निर्यातकों को चीन, बांग्लादेश और वियतनाम जैसे प्रतिस्पर्धी देशों की तुलना में नुकसान हो रहा है. धीमी वृद्धि से उद्योग में शामिल कंपनियों की साख और लाभप्रदता पर भी असर पड़ेगा.

क्रिसिल रेटिंग्स के उप मुख्य रेटिंग अधिकारी मनीष गुप्ता ने कहा कि यदि आयात शुल्क जारी रहा तो अमेरिका को रेडीमेड वस्त्र निर्यात में भारी गिरावट देखने को मिलेगी. वित्त वर्ष 2025 में रेडीमेड वस्त्र का कुल निर्यात 16 अरब अमेरिकी डॉलर था, जिसमें से एक तिहाई अमेरिका भेजा गया था.

समाचार विशेष

लालगंज सीट पर किसका लहराएगा परचम

हॉट सीट का चुनावी समीकरण

पटना. बिहार की 243 विधानसभा सीटों में से एक लालगंज विधानसभा सीट हॉट सीट भी मानी जाती है. इस सीट की स्थापना साल 1951 में हुई थी. यह हाजीपुर लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली 6 विधानसभा क्षेत्रों में से एक है. बिहार की इस सीट का समीकरण समझने के लिए हमें बीते सालों में हुए विधानसभा चुनावों पर नजर डालनी होगी.

बिहार की लालगंज विधानसभा सीट पर 2025 में चुनाव जल्द होने जा रहा है. इस चुनाव के लिए सभी राजनीतिक दल अपनी तरफ से पूरी तैयारी में जुटे हुए हैं. माना जा रहा है कि चुनाव अक्टूबर या नवंबर महीने में हो सकते हैं. लालगंज सीट पर अब तक हुए चुनावों में कांग्रेस ने कुल 4 बार जीत मिली थी. वहीं, जनता दल, जेडीयू और एलजेपी ने 2-2 बार चुनाव जीता है. इसके अलावा लोकतांत्रिक कांग्रेस, जनता पार्टी, निर्दलीय और बीजेपी ने कुल 1-1 बार जीत दर्ज की है.

पिछली बार यानी 2020 में हुए विधानसभा चुनाव में बीजेपी के संजय कुमार सिंह ने जीत दर्ज की थी. संजय सिंह को कुल 70750 वोट मिले थे और उन्होंने कांग्रेस के राकेश कुमार को हराया था. राकेश कुमार को 44451 वोट मिले थे. संजय सिंह ने राकेश कुमार को कुल 26299 मतों से हराया था. वहीं, साल 2015 के चुनाव में लालगंज सीट से लोजपा के राज कुमार साह ने जीत दर्ज की थी. इस दौरान जदयू के उम्मीदवार विजय कुमार को दूसरा स्थान मिला था.

किसी भी पार्टी ने नहीं की लगातार जीत दर्ज

साल 2024 के आंकड़ों के अनुसार लालगंज विधानसभा सीट पर रजिस्टर्ड वोटरों की संख्या 350651 थी . इसमें करीब 21 पर्सेंट वोटर्स अनुसूचित जाति के हैं . वहीं, 8 फीसदी वोटर्स मुस्लिम हैं . लालगंज एक अनारक्षित सीट है . हालांकि बिहार की इस सीट पर किसी भी पार्टी ने लगातार जीत दर्ज नहीं की है . ऐसे में देखना दिलचस्प होगा कि इस बार जीत का परचम कौन लहराएगा .

उत्तर प्रदेश में क्या हो रहा है?

लखनऊ. ऐसा लग रहा है कि उत्तर प्रदेश में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है. सरकार के स्तर पर तो कई चीजें बिगड़ी हुई दिख रही हैं. पिछले दिनों राज्य के वरिष्ठ आईएएस अधिकारी एसपी गोयल को मुख्य सचिव बनाया गया. लेकिन एक हफ्ते के बाद ही वे अचानक लंबी छुट्टी पर चले गए. किसी को कारण नहीं पता है. उनका कार्यभार दूसरे अधिकारी को सौंपा गया है.

अगर कोई निजी इमरजेंसी होती तो वे बता कर जाते. लेकिन ऐसा लग रहा है कि सरकार के अंदर कुछ ऐसा हुआ है, जिसकी वजह से उनको अचानक छुट्टी पर जाना पड़ा. सवाल है कि ऐसा क्या हुआ?

ध्यान रहे उनकी नियुक्ति को लेकर भी सवाल उठा था. पहले कहा जा रहा था कि तत्कालीन मुख्य सचिव मनोज कुमार को सेवा विस्तार मिल रहा है. आखिरी समय तक उनको सेवा विस्तार मिलने की चर्चा रही लेकिन ऐन उनके रिटायर होने के दिन एसपी गोयल की नियुक्ति की घोषणा कर दी गई. अब एसपी गोयल लंबी छुट्टी पर गए हैं. उधर पुलिस महकमे में पुलिस प्रमुख कार्यवाहक के रूप में ही काम कर रहे हैं. मंत्रियों के भीतर भी सब कुछ ठीक नहीं होने की चर्चा है. पहले दोनों उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक की मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से तनातनी चल रही थी तो अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के करीबी अधिकारी रहे बिजली मंत्री एके शर्मा भी उस श्रेणी में शामिल हो गए हैं.

राहुल से प्यार, तेजस्वी से तकरार

पहेली बना पप्पू का किरदार ; क्या है सियासी चाल?

पूर्णिया. कांग्रेस मेरी जान है, जान है, जान है.... पूर्णिया के निर्दलीय सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव कांग्रेस के प्रति यह निष्ठा व प्यार एक बार नहीं सौ बार जता चुके हैं.

इसके विपरीत हाल में ही निर्दलीय सांसद का यह बयान भी सूर्खियों में रहा था कि अगर तेजस्वी यादव मुख्यमंत्री बने तो उनकी जान को खतरा है. कांग्रेस के प्रति प्यार व तेजस्वी से तकरार के बीच राहुल की यात्रा में सांसद राजेश रंजन उर्फ पप्पू यादव का किरदार लोगों के लिए पहेली बन गया है. राजद से सांसद पप्पू यादव की यह तकरार पुरानी है. लोकसभा चुनाव में पूर्णिया सीट कांग्रेस की हिस्से में मानी जा रही थी. इसी आस में पप्पू यादव अपनी जन अधिकार पार्टी का कांग्रेस में विलय कर लिया था. ऐन मौके पर राजद ने पूर्णिया सीट पर दावेदारी ठोक दी और ऐसे में वे बेटिकट हो गए थे. अंतत- इसे उन्होंने बड़ी लड़ाई बनायी और निर्दलीय मैदान में उतरकर राजद की उम्मीदवार बीमा भारती का जमानत तक जब्त करा दिया. पूरे चुनाव के दौरान सांसद समर्थक कांग्रेस का झंडा थामे रहे और कांग्रेस के प्रति अपनी निष्ठा खुद सांसद भी जताते रहे.

विशेष | पंचायत चुनाव में दिखेगा वार ; कहां से शुरू हुआ था सिलसिला

मथुरा में रालोद-भाजपा गठबंधन में दरार !

मथुरा. लोकसभा चुनाव में दोस्ती करने वाली रालोद और भाजपा के गठबंधन में अब दरार पड़ती दिख रही है. सत्ताधारी दल के विधायक और रालोद के पूर्व विधायक और एमएलसी में तनातनी ने सियासी दोस्ती पर सवाल खड़े कर दिए हैं. पहले गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण ने रालोद को पट्टपांव (अशुभ) पार्टी करार दिया, अब भाजपा के मांट विधायक राजेश चौधरी ने रालोद एमएलसी योगेश नौहवार पर सरकारी विकास कार्यों पर अपनी शिलापट्टिका अवैध रूप से लगाने की शिकायत सीएम से की. अवैध पट्टिकाएं हटाने का आदेश भी लोक निर्माण विभाग ने दे दिया.

रालोद और भाजपा के नेताओं में तनातनी से दोनों दलों के अन्य नेता भी असहज महसूस कर रहे हैं. इसका असर अगले वर्ष होने वाले पंचायत चुनाव और फिर विधानसभा चुनाव में भी दिखेगा. दोनों दलों में दरार कैसे पड़ी, इसे भी जरा समझ लीजिए. पूर्व मंत्री ठाकुर तेजपाल सिंह और गन्ना विकास एवं चीनी मिल मंत्री चौधरी लक्ष्मी नारायण के बीच वर्षों से छाता विधानसभा में सियासी खींचतान है. पिछले दिनों तेजपाल सिंह के घर रालोद मुखिया जयन्त चौधरी पहुंचे तो फिर मीडिया में तेजपाल सिंह ने बयान दिया कि इस बार छाता की सीट रालोद के खाते में आएगी और उनका बेटा चुनाव लड़ेगा. इस पर चौधरी लक्ष्मी नारायण ने मीडिया में बयान जारी कर रालोद को पट्टपांव पार्टी बताया और कहा कि जिसके साथ यह दल रहता है, उसका सूपड़ा साफ होता है.

पार्टी नेतृत्व तक शिकायत हुई, तो चौधरी लक्ष्मी नारायण ने पलटी मारी और मीडिया पर ठीकरा फोड़ते हुए अपना आदर्श चौधरी चरण सिंह को बताया. दोनों दलों को साथ लेकर काम करने की बात कही. दूसरे तेजपाल सिंह ने पंचायत चुनाव भी अलग-अलग लड़ने और जिसके सदस्य ज्यादा होने उस दल का जिला पंचायत अध्यक्ष बनाने की बात कही. भले ही चौधरी लक्ष्मी नारायण ने बयान बदल दिया, लेकिन जो खाई बढ़ी, उसे पाटना इतना आसान नहीं है. अब नया राजनीतिक विवाद मांट विधानसभा क्षेत्र में मचा है. यहां से भाजपा विधायक राजेश चौधरी और रालोद से एमएलसी योगेश नौहवार में ठन गई है.

कार्यकर्ताओं में पालेबंदी

कई विकास कार्य ऐसे हैं, जिनमें शिलान्यास का पत्थर राजेश चौधरी का लगा है और कुछ दूरी पर लोकार्पण की शिलापट्टिका योगेश नौहवार की लगी. पिछले दिनों राजेश ने इसकी शिकायत सीएम योगी आदित्यनाथ ने से की. आरोप लगाया कि कुछ लोग निजी पैसे से अवैध रूप से पट्टिका लगा रहे हैं. लोक निर्माण विभाग के मुख्य अभियंता ने अवैध पट्टिका हटाने का निर्देश भी दिया. मामला यहीं तक सीमित नहीं है, दोनों के कार्यकर्ताओं में भी काफी समय से पालेबंदी है. भले ही इस विवाद में पार्टी के अन्य पदाधिकारी और नेताओं ने चुप्पी साध ली है, लेकिन इसके दूरगामी संकेत अच्छे नहीं दिख रहे हैं.